

14. चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाएँ

चिकित्सक के रूप में कैरियर का चयन निःसंदेह अनेक युवाओं का प्रथम सपना है। समाज में विशेषकर भारतीय समाज में चिकित्सक की हैसियत अत्यंत प्रतिष्ठित एवं सम्मानपूर्ण है। चिकित्सा का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है एवं इसकी अनेकों मान्य विधाएं/परंपराएं हैं जिसके अंतर्गत चिकित्सा शास्त्र का अध्यापन एवं प्रैक्टिस निर्भर करता है, जैसे आधुनिक एल्योपैथी (allopath), भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी, युनानी पद्धति इत्यादि। इनमें एल्योपैथी पद्धति की चिकित्सा प्रणाली में युवाओं का रुझान अधिक है फलतः इस कोर्स के लिए प्रवेश की प्रक्रिया अधिक कठिन होती है। एल्योपैथी में स्नातक पाठ्यक्रम जिसे एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम कहा जाता है, के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं जिनका विवरण निम्न है :-

एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)

नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)

भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों एवं डेंटल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए NTA द्वारा प्रतिवर्ष ऑल इण्डिया प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल टेस्ट (NEET) आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष नवम्बर/दिसम्बर में जारी होता है तथा परीक्षा अप्रैल/मई में आयोजित किया जाता है।

इस परीक्षा में एम.सी.आई. (Medical Council of India) एवं डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग सभी संस्थान भाग लेते हैं जिसमें लगभग 700 संस्थानों के 1 लाख से अधिक सीटें मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु तथा डेंटल कोर्स हेतु लगभग 300 संस्थानों की लगभग 27 हजार सीटें उपलब्ध होती हैं। एक आवेदक इनमें से अखिल भारतीय स्तर पर 15 प्रतिशत एवं अपने राज्य के 85 प्रतिशत सीट पर प्रवेश हेतु पात्र होता है, जिनमें नियमानुसार आरक्षण लागू होता है।

प्रतिष्ठित AIIMS तथा आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज पुणे में प्रवेश इसी परीक्षा के अंकों के आधार पर ही तैयार किये जाते हैं। कोई आवेदक यदि एएफएमसी में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो उसे आवेदन पत्र में इसकी वरीयता अवश्य इंगित करनी चाहिए। एएफएमसी में प्रवेश हेतु पृथक काउन्सिलिंग आयोजित की जाती है।

एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए पात्रता :-

1. भारत के किसी राज्य में एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता हेतु आवश्यक होगा कि आवेदक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता परीक्षा जो कि 12वीं अथवा समकक्ष परीक्षा निर्धारित है। उक्त परीक्षा में आवेदक ने अनिवार्य विषयों के रूप में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान/बायोटेक्नॉलोजी का अध्ययन किया हो तथा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (उस वर्ष अर्हताकारी परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक भी निर्धारित अवधि तक अर्हता संबंधी शर्तों को पूर्ण करने की शर्तों के अध्ययीन प्रावधिक रूप से परीक्षा हेतु पात्र होंगे)। आरक्षित वर्गों हेतु अंकों में 10 प्रतिशत की छूट तथा सामान्य दिव्यांग वर्ग हेतु 5 प्रतिशत की छूट मान्य है।

2. यह प्रवेश के समय 17 वर्ष आयु पूरी कर चुका/चुकी हो अथवा प्रथम वर्ष एमबीबीएस/बीडीएस कोर्स में उसके प्रवेश के वर्ष के 31 दिसम्बर को या उससे पहले आयु पूरी कर लेगा/लेगी। ऊपरी आयु सीमा प्रवेश के लिये नहीं होता है।
3. विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नंबर का उल्लेख करना होता है।

आवेदन प्रक्रिया –

इस परीक्षा के लिये आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। ऑनलाईन आवेदन बोर्ड के वेबसाइट www.neet.ntaonline.in में करना होता है।

परीक्षा प्रणाली एवं भाषा –

प्रवेश परीक्षा में सिर्फ एक पेपर होता है जो ऑफलाईन मोड में होता है। इस प्रश्न पत्र में भौतिकी, रसायन-विज्ञान और जीव-विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) से 180 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न अंतर्निहित होते हैं, जिनका उत्तर केवल बॉल-प्वाइंट पेन का प्रयोग करते हुए विशेष रूप से तैयार की गई मशीन-ग्रेडेबल शीट पर देना होता है। 180 प्रश्नों में 90 प्रश्न जीव विज्ञान के (वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान के 45-45 प्रश्न) तथा 45-45 प्रश्न भौतिक और रसायन के होते हैं। प्रत्येक विषय के प्रश्नों के 02-02 भाग होते हैं। भाग-01 में 35 प्रश्न होते हैं जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होता है, भाग-02 में 15 प्रश्न होते हैं जिनमें से किन्हीं 10 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। पेपर की अवधि 03 घंटे की होती है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होता है, जिसमें गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। परीक्षा 720 अंक का होता है।

उम्मीदवार प्रश्न-पत्र के लिए अंग्रेजी में अथवा हिंदी भाषा अथवा कतिपय स्थानीय भाषा में से एक का चयन कर सकते हैं। स्थानीय प्रादेशिक भाषा वाले राज्यों के अतिरिक्त यदि कोई आवेदक अखिल भारतीय स्तर की सीटों (15 प्रतिशत केन्द्रीय कोटा के सीटों) के तथा एएफएमसी पुणे की सीटों में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा केवल अंग्रेजी अथवा हिंदी माध्यम में ही देना अनिवार्य होता है। प्रवेश परीक्षा में प्रश्नों के अनुवाद संबंधी किसी विवाद अथवा किसी मुद्रण अस्पष्टता की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण के प्रश्न पत्र के प्रकाशन को ही अंतिम माना जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक – NEET परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 50 परसेन्टाइल अंक, सामान्य वर्ग (दिव्यांग) को 45 परसेन्टाइल अंक तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के लिये न्यूनतम 40 परसेन्टाइल अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। वर्ष 2024 में अनारक्षित एवं EWS के लिये 162 अंक, अजा/अजजा/अपिव के लिये 127 अंक तथा सामान्य वर्गों के लिए दिव्यांगजनों के लिये 144 अंक न्यूनतम अर्हक अंक था।

मेरिट सूची का निर्धारण एवं प्रवेश की प्रक्रिया

NTA द्वारा परीक्षा का आयोजन करता है तथा उत्तर-पत्रों का मूल्यांकन करके वरीयता सूची जारी करता है। यह मेरिट सूची NEET में प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर अखिल भारतीय स्तर तथा प्रत्येक राज्य हेतु भी पृथक

से सूची तैयार की जाती है। उम्मीदवार को एमबीबीएस/बीडीएस कोर्सों में प्रवेश केवल उक्त सूचियों से ही दिया जाता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए अलग से परिणाम सूची नहीं होता है। इस सूची में प्राप्त मेरिट अंकों के आधार पर आवेदक अखिल भारतीय सीटों के 15 प्रतिशत सीटों हेतु किसी भी राज्य के एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते हैं, साथ ही वे अपने राज्य के 85 प्रतिशत मेडिकल सीटों के लिए भी पात्र होते हैं।

अखिल भारतीय सीटों के लिए केन्द्र सरकार के आरक्षण नियम तथा किसी राज्य की मेडिकल सीट के लिए संबंधित राज्य का आरक्षण नियम लागू होता है। यदि दो अथवा अधिक उम्मीदवार NEET में समान अंक प्राप्त करते हैं, तो ऐसे उम्मीदवारों की पारस्परिक मेरिट निम्न अधिमान क्रम के अनुसार अवधारित की जाएगी: (क) NEET में जीव-विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ख) NEET में रसायन-विज्ञान में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ग) NEET में सभी विषयों में कम संख्या में गलत उत्तर देने वाले उम्मीदवार। (घ) अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

अन्य संस्थानों की मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं –

भारत सरकार एवं एमसीआई के एकल प्रवेश परीक्षा के निर्देश उपरांत भी कई संस्थानों द्वारा एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इनमें अधिकांश निजी क्षेत्र के संस्थान विशेषकर अल्पसंख्यक संस्थान शामिल हैं। जिसमें वेलोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा, मणिपाल स्थित कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा महत्वपूर्ण हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2024 की स्थिति में चिकित्सा पाठ्यक्रम की उपलब्धता संबंधी जानकारी –

क्रमांक	कॉलेज का नाम	कोर्स का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश परीक्षा का नाम
1	शासकीय जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर	एमबीबीएस	230	NEET
2	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर	एमबीबीएस	150	NEET
3	स्व. बलिराम कश्यप मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज जगदलपुर	एमबीबीएस	125	NEET
4	स्व. लखीराम अग्रवाल मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़	एमबीबीएस	100	NEET
5	शासकीय मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर	एमबीबीएस	125	NEET
6	भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव	एमबीबीएस	125	NEET
7	शासकीय मेडिकल कॉलेज कांकर	एमबीबीएस	125	NEET
8	शासकीय मेडिकल कॉलेज कोरबा	एमबीबीएस	125	NEET
9	शासकीय मेडिकल कॉलेज महासमुंद	एमबीबीएस	125	NEET
10	चंदुलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कॉलेज दुर्ग	एमबीबीएस	200	NEET
11	AIIMS रायपुर	एमबीबीएस	125	NEET
12	रिम्स मेडिकल कॉलेज रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET

13	शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
14	श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
15	अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, भिलाई (निजी)	एमबीबीएस	100	NEET
16	श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नया रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
डेंटल कॉलेज				
01	शासकीय डेंटल कॉलेज रायपुर	बीडीएस	100	NEET
02	मैत्री कॉलेज ऑफ डेंटेस्ट्री अंजोरा दुर्ग (निजी)	बीडीएस	100	NEET
03	रुंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस कोहका भिलाई (निजी)	बीडीएस	100	NEET
04	न्यू होरिजन डेंटल कॉलेज एण्ड रिसर्च सक्ती बिलासपुर (निजी)	बीडीएस	100	NEET
05	त्रिवेणी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस बोदरी बिलासपुर (निजी)	बीडीएस	100	NEET
06	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस सुन्दरा राजनांदगांव (निजी)	बीडीएस	100	NEET

इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ में आयुर्वेदिक कॉलेज एवं होमोपैथिक कॉलेज में भी प्रवेश NEET परीक्षा के परिणाम के आधार पर होता है।

सफलता के मार्ग में कठिनाईयां स्वाभाविक हैं। जब आप शहद की खोज में जाते हैं तो आपको मधुमक्खियों द्वारा काटे जाने की संभावना को स्वीकार कर लेना चाहिए।

— जोसेफ जोबर्ट